

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवारवत,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,
संस्कृति विभाग,
उत्तरांचल देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक 13 जुलाई, 2004

विषय— स्व0 श्री देव सुमन जी के शहीद स्मारक निर्माण हेतु व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, उत्तरांचली के पत्र संख्या-923/27-13 दिनांक 03 मार्च, 2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में स्व0 श्री देव सुमन जी के शहीद स्मारक के निर्माण हेतु रु0 2.13 लाख के आगणन के विपरीत टी0ए0सी0 द्वारा सस्तुत लागत के अनुसार रु0 1.65 लाख (रुपये एक लाख पैंसठ हजार मात्र) लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुये इतनी ही धनराशि के व्यय करने की निम्नलिखित शर्तों के अनुसार श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- 7(ए)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

2- उक्त धनराशि इस शर्त के अधीन स्वीकृत की जाती है कि स्वीकृत की मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी के स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है अतः व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- स्वीकृत किये जा रहे धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु जिला योजना में पर्याप्त प्लान आउटले उपलब्ध हो तथा योजना वि०वि० एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-आयोजनागत-102-कला एवं संस्कृति का संबर्द्धन-10-महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना-1091-जिला योजना-25-लघु निर्माण कार्य की मद के नामें डाला जायेगा।

5-यह आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या-386/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 01-07-2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

संख्या- /VI-1/सं०वि०/2004 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल।
- 4- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 5- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 6- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 7- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।